

पत्र संख्या - ज0शि0को0-13/2007-5700073/मु0म0स0

बिहार सरकार  
मुख्य मंत्री सचिवालय

प्रेषक : एस0 सिद्धार्थ,  
सचिव ।

जिला पदाधिकारी (सभी)  
पुलिस अधीक्षक (सभी)  
बिहार।

पटना, दिनांक - 7 जनवरी, 2010

विषय : जन शिकायत से संबंधित आवेदन पत्रों के निष्पादन/जाँच प्रतिवेदन के प्रेषण के संबंध में।

महाशय, उपर्युक्त विषयक निदेशानुसार कहना है कि जन शिकायत से संबंधित आवेदन पत्रों को प्राप्त होने के बाद कुछ जिलों के द्वारा शिकायतकर्ता का मूल आवेदन पत्र एवं स्थानीय जाँचकर्ता के जाँच प्रतिवेदनों को मूल रूप में मुख्य मंत्री सचिवालय को प्रेषित किया जाता है, यह किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है।

प्राप्त आवेदन के आलोक में की जाने वाली कार्रवाई की प्रविष्टी वेब साईट पर अपलोड की जानी चाहिए तथा जिला स्तरीय जन शिकायत -सह- सूचना कोषांग के स्तर से प्रत्येक आवेदक को भी कार्रवाई के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय। यदि आवेदन पत्र का अन्तिम निस्तार कर दिया गया हो तो इस आशय की प्रविष्टी भी वेब साईट पर अपलोड की जाय। किसी कारणवश अपलोड करने में यदि कठिनाई हो तो जाँच का निष्कर्ष संक्षेप में प्रतिवेदन के रूप में भेजा जा सकता है। आवेदक का आवेदन पत्र, जाँच रिपोर्ट आदि भेजने की कोई आवश्यकता नहीं है तबतक जबतक कि किसी विशिष्ट मामले में ऐसा विशिष्ट निर्देश न हो।

सूचना का अधिकार अधिनियम - 2005 के प्रभावी हो जाने के कारण स्थानीय स्तर पर किये गये जाँच से संबंधित प्रतिवेदन एक बहुमूल्य अभिलेख के रूप में स्थानीय कार्यालय में उपलब्ध रहना चाहिए ताकि आवेदक यदि चाहें तो इसकी सूचना स्थानीय स्तर से प्राप्त कर सकें।

कृपया इसे आवश्यक समझा जाय।

विश्वासभाजन,

(एस0 सिद्धार्थ)  
सचिव ।

हावांक-56 / जिला जन शिकायत, मधुबनी, दिनांक-14 वीं जनवरी 2010  
प्रतिलिपि:- उपर तमाहत्ता, मधुबनी/उप विभागत आयुक्त, मधुबनी /  
तमारे अनुमंडल पदाधिकारी, मधुबनी जिला/तमारी बृहंड विभागत पदाधिकारी, मधुबनी  
जिला/तमारी अंचल अधिकारी, मधुबनी जिला/तमाहस्पताल विभागत तमारी कार्यालय के  
बृहन्तारी पदाधिकारी/जिला शिक्षा पदाधिकारी/जिला शिक्षा अधीक्षक, मधुबनी  
की सूचनार्थ संवभाव्यक कारीर्थे प्रेषित ।

शबेश  
14/1/10  
बृहन्तारी पदाधिकारी,  
जिला जन शिकायत कोषांग  
मधुबनी ।

201  
वनी  
मधु  
लिख  
5, मध  
70  
कारी  
कोष